

## **SUMMARY**

The extract “Bharat is My Home” is taken from the speech of Dr. Zakir Hussain. He delivered his speech in 1967 after taking the oath as President. In his speech Dr. Zakir Husain pledges himself to the service of the totality of India’s culture. यह अनुच्छेद “भारत मेरा घर है” डॉ. जाकिर हुसैन का एक भाषण का अंश है। राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद 1967 ई० में उन्होंने अपना यह भाषण दिया था। इस भाषण में उन्होंने भारतीय संस्कृति के सर्वांगीण विकास हेतु अपना वचन दिया है। In his speech, he said that he assumed his office of the president in a spirit of humanity and total dedication. He would abide by the constitution of India. He pledges to the service of absolute values. The author in his speech has given the importance of the growth of national culture and national character. According to him our past culture is not dead and static it is alive and dynamic. Our past culture is the base of developing

**Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram**

the quality of our present and the prospects of our future.

भाषण में  
कि राष्ट्रपति का  
हमने पूरी  
भावना एवं  
साथ संभाला  
भारतीय  
प्रति निष्ठाभाव  
पूर्ण मूल्यों के  
सेवा की  
हैं। अपने  
उन्होंने राष्ट्रीय  
राष्ट्रीय चरित्र  
पर जोर दिया  
अनुसार हमारी

**ना क्लास छूट जाने का डर ना अंतिम समय में कैंश कोर्स की मारा मारी अपनी मर्जी से कीजिए बिहार बोर्ड के 10<sup>th</sup>, 11<sup>th</sup> & 12<sup>th</sup> की फ्री में तैयारी**

**COVID-19**  
100% Discount offer  
Good News For Bihar Board Students  
Coherent English Classes is offering you **Free** online learning during COVID-19

10th 11th 12th

**12th बिहार बोर्ड English की कम्पलीट तैयारी मात्र ~~1500/-~~ FREE में Hurry up!**

Improve your English skills for free with Coherent English Classes while staying at home during lockdown  
लॉकडाउन के दौरान घर पर रहते हुए Coherent English Classes के साथ मुफ्त में अपने अंग्रेजी के कौशल को सुधारें

APP का लिंक निचे Comment Box में दिया गया है

Download

अपने  
उन्होंने कहा  
यह पद  
मानवता की  
पूर्ण निष्ठा के  
है। वे  
संविधान के  
रहेंगे। वे  
प्रति अपनी  
प्रतिज्ञा करते  
भाषण में  
संस्कृति एवं  
के महत्वों  
है। उनके  
प्राचीन

संस्कृति मृत एवं स्थिर नहीं है, बल्कि जीवित एवं गतिमान है। हमारी पुरानी संस्कृति वर्तमान एवं भविष्य की संस्कृति का आधार है। **Dr. Zakir Hussain in his speech pledges himself to the**

Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram

loyalty on our past culture. He also pledges his loyalty to his country. He promises to work for the welfare of its people without distinction of cast, colour and creed. He further says “The whole of Bharat” is my “home and its people are my family”. He pledges to make his home. (Bharat) strong and beautiful. The people will lead a prosperous and graceful life. डॉ. जाकि हुसैन ने अपने भाषण में अपनी पुरानी संस्कृति के प्रति कृतज्ञता की वचनबद्धता दर्शायी है। उन्होंने अपने देश के प्रति भक्ति भाव की प्रबद्धता भी दुहराई है। किसी जाति, मजहब एवं नस्ल के भेदभाव के बिना उन्होंने जनता के कल्याण के लिए कार्य करने की प्रतिज्ञा की है। वे आगे कहते हैं कि “सम्पूर्ण भारत मेरा घर है और इसके लोग मेरा परिवार है।” वे अपने घर को मजबूत एवं सुन्दर बनाने की प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। लोग सफल एवं सुन्दर जीवन बितायेंगे।

Since our family is big we will have to labour hard. Each of us shall have to participate in building new life of the nation. He Says that the situation demands that we should work more and more. Our

**Please Subscribe us on Youtube, Facebook & Telegram**

work should be silent, sincere, solid and steady. चूँकि हमारा परिवार बड़ा है, अतः हमें कठिन परिश्रम करना होगा। राष्ट्र के नये जीवन-निर्माण में हमें अपना हाथ बंटाना होगा। स्थितियों की मांग है कि हमें अधिक-से-अधिक कार्य करने होंगे। हमारे कार्य शांत, तत्पर, ठोस एवं नियमित होने चाहिए। According to the author there are two aspects of work—individual and social. A man should work for his personal requirements. A person should be free to develop his personal, physical and moral values under strict discipline. लेखक के अनुसार कार्य के दो पहलू हैं-व्यक्तिगत एवं सामाजिक। मनुष्य को अपनी व्यक्तिगत जरूरतों की पूर्ति हेतु कार्य करना चाहिए। कड़े अनुशासन के बीच व्यक्ति को अपने वैयक्तिक, शारीरिक, एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना चाहिए। लेकिन व्यक्ति समाज की सहायता के बिना अपना पूरा विकास सम्भव नहीं कर सकता।

But an individual can not grow in full perfection without the help of society. So, individual and society are co-related and interdependent. अतः व्यक्ति और समाज एक दूसरे से जुड़े हुए हैं एवं एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

At last the author says that our state will not be just an organization of power, but a moral organisation. To Mahatma Gandhi, state power or individual power should be used only for moral purposes. The author promises to devote his time to the welfare of the people of Bharat अंत में लेखक का कहना है कि हमारा राज्य मात्र शक्ति का संगठन नहीं है, बल्कि एक नैतिक संगठन भी है। महात्मा गाँधी का कहना है कि राज्य शक्ति एवं व्यक्ति की शक्ति का उपयोग केवल नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए होना चाहिए। लेखक भारत के लोगों के विकास हेतु अपना समय देने की प्रतिज्ञा करता है।